Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Celebration of National Start-up Day

IGNOU Regional Centre Lucknow in collaboration with IGNOU Extensions Centre-27JSS003, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow celebrated National Start-up Day on Tuesday, 16th January, 2024 at Extension Centre, Department of Social Work, University of Lucknow, Lucknow. The programme was chaired by **Shri A. K. Srivastava**, Director, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow and **Prof. Sunita Kumar** participated as Resource Person. **Dr. Kirti Vikram Singh** gave keynote address.

Dr. Kirti Vikram Singh, Assistant Regional Director in his address informed the learners and villagers about the concept of Innovation, Start-up and Entrepreneurship. He also informed them about IGNOU Udyami Scheme, which aims at identifying the established and budding innovator and entrepreneur students and alumni of IGNOU and they will be given due recognition and support by a scheme of Recognizing IGNOU Student Entrepreneurs (RISE) as a part of the IGNOU Udyami Portal. He also informed about job-oriented programmes being offered by IGNOU.

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस तथा विकसित भारत 2047 पर जागरूकता कार्यक्रम

मुकेश गुप्ता ब्यूरो वतन की धारा, लखनऊ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर आज फैजुल्लागंज स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के ग्रामीण शोध केन्द्र पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. कीर्ति विक्रम सिंह ने कहा कि दिनांक 16 जनवरी 2016 को प्रधनमंत्री द्वारा की गई इस घोषणा से उद्यमी और नवाचार प्रोत्साहित हो रहे हैं जिससे कृषि, स्वास्थ्य, उद्यम प्रणाली, अंतरिक्ष, उद्योग 4.0, पर्यावरण और अन्य उद्योगों को देश के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स की संख्या लगभग सवा लाख तक पहुंच गई है जोकि सरकार के विजन, उसके मिशन या उसके मकसद काफी हद तक पूरा करने में सफल भी हो रहें हैं। कार्यक्रम में आई आई एस आर भारत सरकार की परियोजना विषय "लाभार्थिओ में कौशल विकास का प्रभाव और हितग्राहियों की भूमिका" की निदेशक प्रोफेसर डा.सुनीता कुमार ने कहा कि ब्यूटी और सिलाई का गुणवत्तापरक कौशल प्राप्त कर महिलाएं प्रारम्भ में कम पूंजी में ही अपना उद्योग स्थापित कर धीरे धीरे अपने इस उद्योग से सफलता के शिखर तक पहुंच सकती हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था में उनकी एक अहम भूमिका होगी। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत/2047 की चर्चा करते हुए कहा कि अगले 24 वर्षो यानी 2047 तक देश के विकास का खाका तैयार कर लिया गया है इसकी शुरुआत भी हो चुकी है जिसमे सभी युवाओं को कौशलपरक शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा रहा है क्योंकि कौशल देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के समान है इसके लिए विशेषकर महिलाओं को बढ़ चढ़ कर आगे आना होगा। कार्यक्रम में परियोजना के शोधार्थी देव कुमार पाण्डेय, मृदुल कुमार ने लाभार्थियो का उत्साजवर्धन करते हुए प्रश्नावली के माध्यम से प्रशिक्षण सम्बंधी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया।

इन प्रस्तुतियों को जीवंत कर दिया।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता पर की चर्चा

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर फैजुल्लागंज लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के ग्रामीण शोध केन्द्र पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ कीर्ति विक्रम सिंह ने कहा कि प्रधनमंत्री द्वारा की गई,इस घोषणा से उद्यमी और नवाचार प्रोत्साहित हो रहे हैं जिससे कृषि, स्वास्थ्य, उद्यम प्रणाली , अंतरिक्ष, उद्योग 4.0 , पर्यावरण और अन्य उद्योगों को देश के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम में आई आई एस आर भारत सरकार की परियोजना विषय लाभार्थिओ में कौशल विकास का प्रभाव और हितग्राहियों की भूमिका की निदेशक प्रोफेसर डॉ सुनीता कुमार ने कहा कि ब्यूटी और सिलाई का गुणवत्तापरक कौशल प्राप्त कर महिलाएं प्रारम्भ में कम पूंजी में ही अपना उद्योग स्थापित कर धीरे धीरे अपने इस उद्योग से सफलता के शिखर तक पहुंच सकती हैं। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत 2047 की चर्चा करते हुए कहा कि अगले 24 वर्षो यानी 2047 तक देश के विकास का खाका तैयार कर लिया गया है इसकी शुरुआत भी हो चुकी है जिसमे सभी युवाओं को कौशलपरक शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा रहा है क्योंकि कौशल देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के समान है इसके लिए विशेषकर महिलाओं को बढ़ चढ़ कर आगे आना होगा। कार्यक्रम में परियोजना के शोधार्थी देव कुमार पाण्डेय, मृदुल कुमार ने लाभार्थियो का उत्साजवर्धन करते हुए प्रश्नावली के माध्यम से प्रशिक्षण सम्बंधी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस तथा विकसित भारत @2047 पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

लखनऊ रू इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर आज फैजुल्लागंज स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के ग्रामीण शोध केन्द्र पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ कीर्ति विक्रम सिंह ने कहा कि दिनांक 16 जनवरी 2016 को प्रधनमंत्री द्वारा की गई इस घोषणा से उद्यमी और नवाचार प्रोत्साहित हो रहे हैं जिससे कृषि, स्वास्थ्य, उद्यम प्रणाली , अंतरिक्ष, उद्योग 4.0 , पर्यावरण और अन्य उद्योगों को देश के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स की संख्या लगभग सवा लाख तक पहुंच गई है जोकि सरकार के विजन , उसके मिशन या उसके मकसद काफी हद तक पूरा करने में सफल भी हो रहें हैं। कार्यक्रम में आई आई एस आर भारत सरकार की परियोजना विषय ष्लाभार्थिओ में कौशल विकास का प्रभाव और हितग्राहियों की भूमिकाष की निदेशक प्रोफेसर डॉ सुनीता कुमार ने कहा कि ब्यूटी और सिलाई का गुणवत्तापरक कौशल प्राप्त कर महिलाएं प्रारम्भ में कम पूंजी में ही अपना उद्योग स्थापित कर धीरे धीरे अपने इस उद्योग से सफलता के शिखर तक पहुंच सकती हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था में उनकी एक अहम भूमिका होगी । संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत /2047 की चर्चा करते हुए कहा कि अगले 24 वर्षो यानी 2047 तक देश के विकास का खाका तैयार कर लिया गया है इसकी शुरुआत भी हो चुकी है जिसमे सभी युवाओं को कौशलपरक शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा रहा है क्योंकि कौशल देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के समान है इसके लिए विशेषकर महिलाओं को बढ़ चढ़ कर आगे आना होगा। कार्यक्रम में परियोजना के शोधार्थी देव कुमार पाण्डेय, मृदुल कुमार ने लाभार्थियो का उत्साजवर्धन करते हुए प्रश्नावली के माध्यम से प्रशिक्षण सम्बंधी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया

- Senior Regional Director